

17/07/25


अधिवक्ता उमयपल्ल उप.) उकरवा के अन्तर्गत
अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित जैर अपील
आदेश का अवलोकन करने से यह स्पष्ट होता
है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील
आदेश के जरिये रीसॉर्ट धीसूपुरी द्वारा प्रस्तुत
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश ०१ नियम ०१ संप्रकृत
धारा 151 सी.पी.सी. रुपये 500/- की कोस्ट पर



अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी, पाली

..... बनाम

किस्म मुकदमा मुकदमा नम्बर सन्.....

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>स्वीकार किया जाकर मूल वाद संख्या 53/85 अन्त बान धीसपुरी बनाम देवमारती में दिनांक 28/01/86 जो पारित आदेश मन्सुफ क्र मूल वाद की रैस्टोर क्र पुनः नंबर पर लिये जाने का आदेश उद्दान किया गया है। अधिवक्ता अपीलेंट द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध न्यायालय हाजिरे के सम्मल उक्त अपील पेश की गई है, जो कि कानूनन पीषणीय नहीं है। किसी आदेश के विरुद्ध कानूनन माननीय राष्ट्र मंडल के सम्मल निगरानी, क्रिये जाने का प्राधान्य है। लिहाजा उक्त अपील कानूनी लीर पर न्यायालय हाजिरे के सम्मल पीषणीय नहीं होने से खारिज की जाती है। पत्रावली फौसल शुमार लेकर वाद आब- श्यत कार्यवाही दायित्व कुपतर है।</p> <p style="text-align: right;"> राजस्व अपील प्राधिकारी पाली</p>	